आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :510 पृष्ठ –4 दिनांक 21 जून 2025 दिन शनिवार

यूपी के 36 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी, 23 जून तक जमकर बरसेंगे बादल

उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है. गुरुवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई, जिसकी वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली. लेकिन, कई जगहों पर बादलों और सूरज के बीच आंख मिचौली भी देखने को मिली, जिसकी वजह से उमस भरी गर्मी ने भी लोगों को परेशान किया. मौसम विभाग के मुताबिक आज (20 जून) से दक्षिण–पश्चिम मानसून यूपी में और आगे बढ़ गया है. ऐसे में बारिश की गतिविधियां और तेज होंगी और अगले तीन दिन प्रदेश में झमाझम बारिश होगी.कई जगहों पर भारी से भारी बारिश का भी अलर्ट है. इस दौरान मेघगर्जन और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है. मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में आज 20 जून को दोनों संभागों में अनेक स्थानों पर गरज–चमक के साथ बारिश की बौछारें पड़ने का अनुमान है. ऐसे में कहीं–कहीं मेघगर्जन के साथ बिजली गिरने और 40–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना हैं.पूर्वी संभाग के जिलों में आज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है. कहीं–कहीं भारी बारिश हो सकती है. राजधानी लखनऊ समेत आज 36 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है, जबकि अन्य हिस्सों में भी बारिश होगी. तीन दिन भारी

बारिश का अलर्ट21 जून से दक्षिण–पश्चिम मानसून और तेज रफ्तार पकड़ेगा, जिसके बाद 23 जून तक पूरे प्रदेश में गरज चमक के साथ भारी बारिश होगी और बिजली गिरने की चेतावनी है. ऐसे में लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है. बारिश की वजह से तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है. अगले 2–3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3–4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है. इसके बाद कोई बदलाव नहीं होगा. 36 जिलों में भारी बारिश की चेतावनीयूपी में आज मथुरा, आगरा, हाथरस, एटा, फिरा. ाजाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, हरदोई, कन्नौज, औरैया, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, कानपुर, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव, लखनऊ, हरदोई, फर्रुखाबाद, इटावा, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, मीरजापुर, संत रविदास नगर और सोनभद्र में लगभग सभी स्थानों पर मेघगर्जन और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है. वहीं सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, नोएडा, अलीगढ़, बुलंदशहर, संभल, कासगंज, बदायूं, बरेली, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, महारा. जगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, संत कबीर नगर, अंबेडकर नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ और बलिया में कई जगहों पर बारिश होगी.

पूर्वांचल के विकास का नया गेटवे बनेगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, सीएम योगी आज देंगे सौगात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज (20 जून) गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे. लोकार्पण का समारोह करीब 92 किमी लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों छोरों आजमगढ़ के सलारपुर और गोरखपुर के भगवानपुर टोल प्लाजा के पास होगा. आजमगढ़ वाले छोर पर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण और जनसभा करने के बाद मुख्यमंत्री एक्सप्रेसवे का भ्रमण करते हुए गोरखपुर वाले छोर पर आएंगे और यहां भी लोकार्पण की औपच. ारिकता के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे.गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल के विकास के नए गेटवे के रूप में देखा जा रहा है. विकास की असीम संभावनाओं को प्रशस्त करने वाले मार्ग के रूप में तैयार किए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 91.35 किमी है. यह गोरखपुर के एनएच–27 पर जैतपुर के पास शुरू होकर आजमगढ़ के सलारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलता है.चार जिलों गोरखपुर, संतकबीरनगर, अंबेडक. रनगर और आजमगढ़ में पड़ने वाला पूर्णतः प्रवेश नियंत्रित यह एक्सप्रेसवे फोरलेन में निर्मित है और इसे भविष्य में सिक्सलेन तक विस्तारित किया जा सकता. एक्सप्रे. सवे की इस परियोजना पर भूमि अधिग्रहण सहित 7283.28 करोड़ रुपये की लागत आई है.गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण दो पैकेज में गोरखपुर के जैतपुर से अंबेडकरनगर के फुलवरिया तक (48. 317 किमी) तथा फुलवरिया से आजमगढ़ के सलारपुर तक (43.035 किमी) किया गया है. पहले पैकेज का निर्माण कार्यदायी संस्था के रूप में एपको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड और दूसरे पैकेज का निर्माण दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड ने कराया है. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे आवागमन सुग. मता की मिसाल बनेगा. स्थानीय स्तर पर गोरखपुर के दक्षिणांचल (उरूवा, धुरियापार, खजनी, बेलघाट) जाने में स्थानीय लोगों को काफी कम समय लगेगा. अभी गोरखपुर मुख्यालय से उरूवा जाने में एक घंटे लग जाते हैं, लिंक एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भरते हुए समीपस्थ चौनेज से उतरकर सिर्फ 20 से 25 मिनट लगेगा.यही नहीं, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए भी एक बेहतरीन और कम समय व्यय वाला विकल्प है. प्रवेश नियंत्रित मार्ग होने से लिंक एक्सप्रे. सवे से वाया पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गोरखपुर से लखनऊ की दूरी साढ़े तीन घंटे में तय हो सकेगी. इसके अलावा इसकी कनेक्टि. विटी से लोग लखनऊ से होकर दिल्ली से लेकर आगरा तक के शानदार सफर का आनंद ले सकेंगे.सीएम योगी आज आजमगढ़ के सलारपुर में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने और जनसभा को संबोधित करने के बाद अपने काफिले के साथ इस एक्सप्रेसवे की यात्रा शुरू करेंगे. मार्ग में वह घाघरा नदी पर कम्हरियाघाट में बने पुल पर उतरेंगे और करीब दस मिनट तक पुल का निरीक्षण करेंगे.इसके बाद पुनः उनकी यात्रा शुरू होगी और एक्सप्रेसवे पर भ्रमण करते हुए वह भगवानपुर टोल प्लाजा पर बने गोरखपुर छोर के लोकार्पण स्थल पर आएंगे तथा लोकार्पण की औपचारिकता को पूर्ण कर जनसभा को संबोधित करेंगे. मुख्यमंत्री करीब 86 किमी की दूरी गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे मार्ग से तय करेंगे.भगवानपुर टोल प्लाजा पर होने वाले कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपीडा की सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर यात्री सुरक्षा के दृष्टिकोण से इस फ्लीट में 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहन शामिल हैं. सुरक्षा फ्लीट का गुरुवार को भगवानपुर टोल प्लाजा पर रिहर्सल भी किया गया.गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों लोकार्पण स्थलों (आजमगढ़ व गोरखपुर) पर यूपीडा द्वारा लगाई गई फोटो गैलरी का अवलोकन करेंगे. इसके साथ ही वह दोनों जगहों पर अलग–अलग पैकेज में काम करने वाली फर्मों के निर्माण कार्मिकों के साथ फोटो खिंचाकर उनका उत्साह बढ़ाएंगे. इसके बाद वो भगवानपुर टोल प्लाजा के समीप पौधरोपण करेंगे. वह हरिशंकरी का पौधा लगाएंगे. मुख्यमंत्री के साथ अन्य मंत्री और जनप्रतिनिधि भी पौधा लगाएंगे.।

नदी में नहाने गई थी पांच दोस्तो की टोली, वापस लौटे सिर्फ 3, मचा हड़कंप

बस्ती जनपद के लालगंज थाना क्षेत्र के सुसीपार गांव में गुरुवार दोपहर उस समय चीख–पुकार मच गई, जब कुआनो नदी में नहाने गए पांच दोस्त गहरे पानी में डूब गए. इस हृदयविदारक घटना में दो किशोरों की दुखद मौत हो गई, जबकि ग्रामीणों की तत्परता से तीन अन्य युवकों को सुरक्षित बचा लिया गया. घटना की खबर सुनते ही मौके पर ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा. सूचना पर पहुंची पुलिस बल ने स्थिति को संभाला और आवश्यक कार्यवाही शुरू की. मृतकों के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है.प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सुस. ीपार गांव के पांच दोस्त एक साथ कुआनो नदी में नहाने गए थे. नदी किनारे पहुंचकर वे सभी पानी में उतरे. शुरुआती तौर पर सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ ही देर में वे नदी के एक गहरे हिस्से में फंस गए. पानी का बहाव तेज होने और गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे संभल नहीं पाए और डूबने लगे.डूबते हुए बच्चों की चीख–पुकार सुनकर नदी के किनारे मौजूद कुछ चरवाहों और खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर मचाया. शोर सुनकर गांव के लोग तुरंत मौके की ओर दौड़े. गांव वालों ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी. ग्रामीणों ने अथक प्रयास किया और तीन युवकों – अमन, रवि और किशन को सकुशल बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की. उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया.दुर्भाग्य से, राहुल और सुमित को ग्रामीण बाहर नहीं निकाल पाए. काफी मशक्कत के बाद जब उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी. दोनों किशोरों ने दम तोड़ दिया था. इस दुखद खबर से पूरे गांव में गहरा सन्नाटा पसर गया. सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनंदन खुद मौके पर जायजा लेने पहुंचे और बेहोश तीन युवकों को इलाज के लिए भिजवाया, इसके बाद वे घंटों तक लापता दो युवकों की लाश की बरामदगी के लिए टीम का हौसला अफजाई करते रहे मगर देर शाम तक लाश अभी बरामद नहीं की जा सकी है.परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल घटना की सूचना मिलते ही मृतक बच्चों के परिवारों में कोहराम मच गया. माता–पिता और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और अपने लाल को बेजान देखकर दहाड़ें मार–मार कर रोने लगे. उनके विलाप से वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं घटना की गंभीरता को देखते हुए लालगंज थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थिति को संभाला, भीड़ को नियंत्रित किया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया.

यूपी को मिल गया एक और एक्सप्रेस वे, नोएडा से पूर्वांचल की दूरी 3 घंटे हुई कम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार 20 जून 2025 को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर दिया. गोरखपुर लिंक एक्सप्रे. सवे का लोकार्पण होने के साथ ही पूर्वांचल के 4 जिले गोरखपुर, अंबेडकरनगर, संतक. बीरनगर और आजमगढ़ तक दिल्ली एनस. ीआर की हाईस्पीड कनेक्टिविटी हो जाएगी. करीब 7 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद गोरखपुर से लखनऊ का सफर 3रू30 घंटे में पूरा होगा. पहले 4 घंटे 30 मिनट का समय लगता था.इसके अलावा अभी नोएडा से लखनऊ तक 457 किमी की दूरी तय करने में साढ़े 6 घंटे का समय लगता है. इसके बाद अयोध्या, बस्ती, संतकबीरनगर होकर लखनऊ से गोरखपुर की दूरी 289 किमी है, लेकिन इस सफर में 5 घंटे से ज्यादा समय लगता है. नोएडा से गोरखपुर का सफर सड़क मार्ग से 12 घंटे से ज्यादा समय में पूरा होता है. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस चालू होने के बाद यह अधिकतम साढ़े 9 घंटे में पूरा होगा. फोर लेन लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर और आजमगढ़ को कनेक्ट करेगा. इस पर 120 झड प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन चल सकेंग. लिंक एक्सप्रेस से आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंट्री करने के बाद लखनऊ की दूरी लगभग 189 किलोमीटर है. लखनऊ से नोएडा के लिए लखनऊ–आगरा और यमुना एक्सप्रेसवे का उपयोग करके लोग समय बचा सकते हैं. गोरखपुर एक्सप्रेसवे पर यात्रियों के लिए यातायात सुगमता के साथ सुरक्षा और संकट में सहायता के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं. किसी की प्रकार की समस्या होने पर यात्रियों कंट्रोल के हेल्पलाइन नंबर 14449 पर कॉल करना होगा. इसके बाद यूपीडा के जीपीएस लगे वाहनध्एम्बुलेंस मौके पर मदद के लिए पहुंच जाएंगे. यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए कुल 15 वाहनों का सुरक्षा फ्लीट होगा.

यूपी के इस एयरपोर्ट से 8 बड़े शहरों के लिए सीधी फ्लाइट, इंडिगो ने किया ऐलान, 20 जुलाई से शुरुआत

देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने घोषणा की है कि वह 20 जुलाई 2025 से यूपी के गाजियाबाद में हिंडन एयरपोर्ट से देश के 8 प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने जा रही है. यह कदम दिल्ली–एनस. ीआर के यात्रियों को बेहतर सुविधा और अधिक कनेक्टिविटी देने की दिशा में एक बड़ा फैसला है. इंडिगो अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (छब्) में दिल्ली और हिंडन, दो हवाई अड्डों से अपनी सेवाएं देगी.इंडिगो एयरलाइंस देश के आठ बड़े शहरों के लिए हिंडन एयरपोर्ट से फ्लाट्स का संचालन शुरू करेगी. ये शहर हैं– अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी. जिसके बाद दिल्ली एनसीआर खासतौर से नोएडा, गाजियाबाद, पूर्वी दिल्ली और आसपास के इलाके के लोगों को दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट तक जाना नहीं पड़ेगा.इस शुरुआत को लेकर खास बातें हिंडन, इंडिगो का 93वां घरेलू और 136वां कुल स्टेशन बन गया है.यहां से हर हफ्ते 70 से ज्यादा उड़ानें चलाई जाएंगी. ये फैसला खासतौर पर गाजियाबाद, पूर्वी दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा.इस शुरूआत पर इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि षहिंडन से उड़ानें शुरू करना हमारे लिए एक रणनीतिक निर्णय है. इससे लाखों लोगों को सीधा और आसान हवाई सफर मिलेगा, जिससे व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा.” यात्री इंडिगो की वेबसाइट ू.हवप्दकपळव.पद या मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट बुक कर सकते हैं. बता दें कि यूपी के गाजियाबाद जिले में स्थित यह इलाका तेजी से विक. सित हो रहा है. इसके आसपास भी पूर्वी दिल्ली और नोएडा जैसे बड़े आर्थिक क्षेत्र हैं. ऐसे में बड़ी संख्या में लोग यहां रहते हैं. यहां इंडस्ट्रियल एस्टेट्स के साथ शिक्षण संस्थान और रिहायशी क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहे हैं. हिंडन एयरबेस के पास होने के कारण यह स्थान सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. हिंडन एयरपोर्ट से इंडिगो की उड़ान सेवा शुरू होने से दिल्ली एनसीआर के यात्रियों के पास अब एक और विकल्प खुल जाएगा.

भोपाल जा रही वंदेभारत में बीजेपी विधायक के समर्थकों ने की मारपीट

दिल्ली से भोपाल जा रही ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के एक्जक्यूटिव कोच में सवार एक यात्री के साथ झांसी रेलवे स्टेशन पर आधा दर्जन लोगों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया गया है. जिसकी शिकायत • पर की गई है.वहीं इस मारपीट का आरोप झांसी से भाजपा के बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा के साथियों पर लगाया गया है. इस मामले में बबीना विधायक राजीव सिंह ने कहा कि वह लिखित में अपना पक्ष रखेंगे, इसके साथ ही झांसी जीआरपी में मामला दर्ज करा दिया.ट्रेन क्रमांक 20172 वंदे एक्सप्रेस के एक्जक्यूटिव कोच के म्–2 में झांसी के बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा अपनी पत्नी और बेटे के साथ दिल्ली से झांसी के लिए यात्रा कर रहे थे. कोच में सीट नम्बर 8 राजीव सिंह पारीछा, उनकी पत्नी कमली सिंह की सीट नम्बर 50 और बेटे श्रेयांश सिंह की सीट नम्बर 51 थी.विधायक पर आरोप है कि ट्रेन जब झांसी रेलवे स्टेशन पहुंची तो आधा दर्जन लोग अंदर घुस गए और इसी कोच के सीट नम्बर 49 पर यात्रा करने वाले राज प्रकाश नाम के यात्री के साथ मारपीट कर दी. जब तक कोई कुछ करता सिग्नल होने के कारण ट्रेन भोपाल के लिए रवाना हो गई. पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्टइसी बीच मध्य प्रदेश में पन्ना जिले के पूर्व पवई विधायक मुकेश नायक और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शिकायत करते हुए यात्री के साथ मारपीट का आरोप झांसी से भाजपा के बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा के समथकों पर आरोप लगाते हुए यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े किए हैं.पूर्व विधायक मुकेश नायक ने एक्स पर लिखा है कि वंदे भारत ट्रेन में बुजुर्ग यात्री ने 49 नम्बर सीट एक्सचेंज करने से इंकार किया, बबीना के बीजेपी विधायक राजीव सिंह के समर्थकों ने झांसी स्टेशन पर पीटा. जिससे उनकी नाक से खून निकलने लगा. इस पूरे मामले पर भाजपा के बबीना से विधायक राजीव सिंह परीछा से बात की गई तो विधायक का कहना है कि हम अपना पक्ष लिखित रूप से रखेंगे. राजीव सिंह ने पूरी तरह से इन सभी आरोपो को नकारा है और उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज कराई है.

महोबा जनपद के चरखारी तहसील के खरेला कस्बे में गुरुवार को एक प्रशासनिक कार्रवाई ने नया विवाद खड़ा कर दिया. एसडीएम डॉ. प्रदीप कुमार की अगुवाई में अतिक्रमण के नाम पर एक 33 साल पुराने मकान पर बुलडोजर चलाया गया. इस कार्रवाई का विरोध कर रही महिलाओं और एक युवक के साथ दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में एसडीएम खुद महिलाओं को धमकाते हुए श्बुलडोजर चढ़ा दो इनके ऊपरश कहते नजर आ रहे हैं जिसके विरोध में युवक के साथ मारपीट तक कर दी.वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घर को बचाने के लिए महिलाओं और बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाई थी, लेकिन प्रशासन ने सख्ती दिखाई. युवक योगेन्द्र सिंह के साथ पुलिस के सहयोग से मारपीट भी की गई है. पीड़ित परिवार का कहना है कि मकान 1989 से नगर पंचायत में दर्ज है, 2017 तक टैक्स भी लिया गया और 2020 में बिजली कनेक्शन भी दिया गया था. मकान मालिक के भतीजे योगेन्द्र सिंह का दावा है कि मामला कोर्ट में विच. ाराधीन था, लेकिन बिना नोटिस के प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया. विरोध के दौरान एसडीएम की भाषा और रवैया बेहद आपत्तिजनक रहा. इस दौरान योगेन्द्र ने विरोध कर वीडियो बनाना चाहा तो एसडीएम ने पकड़कर उसे पीट दिया वहीं पुलिसकर्मियों ने भी पीटा और थाने में ले जाकर धमकाया गया.इस कार्रवाई के दौरान मकान मालिक की पत्नी शकुंतला देवी बेहोश हो गईं, जबकि युवक योगेन्द्र सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा है. वे इसे एकतरफा और गरीब विरोधी कार्रवाई बता रहे हैं. शकुंतला और सरिता बताती है कि बिना किसी जानकारी के एसडीएम ने प्रशासनिक अमले के साथ आकर बरसों पुराने मकान को गिरा दिया उसका आरोप है कि यह कार्यवाही रंजिशन नगर पंचायत खरेला के अध्यक्ष द्वारा करवाने का आरोप भी लगाया गया है. उन्होंने कहा कि अन्य सार्वजनिक स्थानों को कब्जे है उन्हें नहीं हटाया गया. उन्होंने एसडीएम पर मारपीट करने पर धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं.एसडीएम डॉ. प्रदीप कुमार ने सफाई दी कि मकान नगर पंचायत की भूमि पर बना था और कई बार नोटिस दिए गए थे. उन्होंने कहा कि म. हलाओं को आगे करके सरकारी कार्य में बाधा दी गई, जिस पर कड़े शब्दों का प्रयोग करना पड़ा.

हाथरस में बारिश से तापमान में गिरावट जगह-जगह जलभराव और कीचड़ से लोग परेशान, बिजली कटौती से जीना मुहाल

हाथरस में आज सुबह हुई हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया। हाथरस का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से मौसम लगातार बदल रहा है।आज सुबह आसमान में घने बादल छाए और हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में गिरावट आई। रिमझिम बारिश से सड़कें भीग गईं। इससे लोगों ने गर्मी से काफी राहत महसूस की।पिछले कई दिन से हुई बारिश ने शहर की ड्रेनेज और सीवरेज व्यवस्था की कमियां उजागर कर दी हैं। कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सड़कों पर कीचड़ फैल गया है। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कतें आ रही हैं।बारिश के कारण कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। हालांकि पिछले कई दिनों से हो रही बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

कल्पिता हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार एक का एनकाउंटरय मथुरा से कर रहे थे रैकी, बेटी की मौत का आरोप बहू और प्रेमी पर

हाथरस में 14 जून को दिनदहाड़े तहसील गेट के पास जिलाधिकारी के ड्राइवर राक.`श शर्मा की बेटी कल्पिता शर्मा की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि यह हत्या पारिवारिक रंजिश और ऑनर किलिंग की साजिश का नतीजा थी। कल्पिता अपनी मां उर्मिला के साथ स्कूटी से बाजार से लौट रही थी, तभी बुलेट सवार हमलाव.रों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।कल्पिता के पिता राकेश शर्मा ने इस हत्या का आरोप अपनी पुत्रवधू ज्योति, उसके प्रेमी गुलशन, गुलशन के दोस्त नवीन, बुआ गायत्री और उसके बेटे सूरज पर लगाया था। राकेश का कहना है कि ज्योति के गुलशन से अवैध संबंध थे, जिसका परिवार विरोध करता था। ज्योति छह महीने पहले अपने प्रेमी गुलशन के साथ रहने लगी थी और उसने तलाक की अर्जी भी दायर कर दी थी। इसी रंजिश में कल्पिता को साजिशन मौत के घाट उतार दिया गया।पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो और को दबोचपुलिस ने अब इस मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार सुबह दयानतपुर नहर पुल के पास चेकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आरोपी अभिषेक के पैर में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उसके साथी भारत को भी मौके से पकड़ा गया। दोनों के पास से एक बाइक और दो तमंचे बरामद हुए हैं।मथुरा से कर रहे थे कल्पिता की रैकीएसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि हत्यारों ने मथुरा से ही कल्पिता की रैकी शुरू कर दी थी। पूरे रास्ते नजर रखी और प्लान के मुता.बिक हत्या को अंजाम दिया।अभिषेक और भारत भी गुलशन और नवीन के साथ इस साजिश में शामिल थे। अब तक कुल तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि मुख्य आरोपी गुलशन और अन्य की तलाश जारी है।तहसील गेट के बाहर हुई थी वारदात तहसील गेट के सामने दिनदहाड़े हुई यह घटना पूरा जिला हिला देने वाली थी। जिस तरह से बहू और उसके प्रेमी ने सा.जिश रचकर ननद की हत्या कराई, वह पुलिस के लिए भी चौंकाने वाला मामला है।पुलिस का दावा है कि जल्द ही बाकी फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, प्रशासन ने पूरे मामले की तफ्तीश को गंभीरता से लिया है।

बागला कॉलेज में छात्राओं से यौन शोषण का मामला पूर्व विधायक ने सीएम योगी से की मुलाकात

भाजपा के पूर्व विधायक राजवीर सिंह पहलवान ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने बागला कॉलेज में छात्राओं के यौन शोषण का मामला मुख्यमंत्री के सामने रखा।पूर्व विधायक ने बताया कि कॉलेज में लंबे समय से छात्राओं का यौन उत्पीड़न हो रहा था। छात्राओं ने कॉलेज प्रबंध समिति को शिकायत की थी। लेकिन प्रबंध समिति ने कोई कार्रवाई नहीं की। छात्राओं की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। प्रबंध समिति की लापरवाही की वजह से कॉलेज की छवि धूमिल हुई है।बता दें कि कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. रजनीश पर कुछ छात्राओं ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। पुलिस ने कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महावीर सिंह छोंकर को भी आरोपी बनाया है। डॉ. रजनीश वर्तमान में जेल में हैं।प्रबंध समिति पर हो सकती है कार्रवाई... प्रिंसिपल जमानत पर बाहर है। पुलिस डॉ. रजनीश के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण में उच्च स्तरीय जांच कराने का आश्वासन दिया है। पूर्व विधायक की शिकायत के बाद कॉलेज प्रबंध समिति पर भी कार्रवाई हो सकती है।

चांदी कटाई के पैसों को लेकर व्यवसायी से मारपीट 200 रुपए की जगह 100 रुपए देने पर हुआ विवाद, आरोपी ने साथियों को बुलाकर की मारपीट

हाथरस जनपद में सादाबाद क्षेत्र के कस्बा बिसावर में चांदी कटाई को लेकर एक व्यवसायी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।घटना के अनुसार, एक युवक चांदी कटवाने व्यवसायी के कारखाने पर आया। व्यवसायी ने चांदी कटाई के 200 रुपए मांगे। युवक ने 100 रुपए दिए और उसमें से भी 20 रुपए वापस मांग लिए। इस बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया।युवक ने अपने पांच साथियों को फोन कर बुला लिया। उस समय कारखाने पर व्यवसायी के दो पुत्र भी मौजूद थे। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।चांदी व्यवसायी ने पुलिस में नामजद शिकायत दर्ज कराई है। सीओ सादाबाद हिमांशु मा.थुर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। कोतवाली में मिली शिकायत की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक होंगे इधर से उधर

परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक इधर से उधर होंगे। जिले में शिक्षक समायोजन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो जाएगी। इससे शिक्षकों की कमी से जूझ रहे विद्यालयों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा।जिले में कई परिषदीय विद्यालय ऐसे हैं जिनमें आवश्यकता से अधिक शिक्षकों की तैनाती है। इसके साथ ही कई विद्यालय ऐसे हैं जिनमें आवश्यकता से कम शिक्षक हैं। इसको लेकर शिक्षक समायोजन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस संबंध में पूर्व में शासनादेश भी जारी हो चुका है। जिसपर समायोजन की प्रक्रिया शुरू की गई। 20 जून से 23 जून तक यू–डायस पोर्टल पर उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर आरटीई के मानकों के आधार पर छात्र शिक्षक अनुपात की गणना करते हुए शिक्षकों की आवश्यकता वाले व आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले विद्यालयों को देखते हुए सूची ऑनलाइन प्रदर्शित की जाएगी।इसमें 24 जून से 26 जून तक शिक्षक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की छायाप्रति बीएसए दफ्तर में जमा करने की तिथि 27 जून है। बीएसए द्वारा ऑनलाइन सत्यापन व डाटा लॉक करने की तिथि 28 जून है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र लखनऊ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के आधार पर स्थानांतरण की कार्रवाई करते हुए सूची जारी करने की अंतिम तिथि 30 जून है। इस संबंध में बीएसए स्वाति भारती का कहना है कि शासनादेश के क्रम में समायोजन की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। इस संबंध में सभी बीईओ को निर्देशित कर दिया गया है।

हाथरस में पिछले 4 दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा

हाथरस में पिछले 4 दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। भीषण गर्मी के बाद तापमान में गिरावट आई है। साथ ही बारिश भी हुई है। मौसम में इस बदलाव का सबसे ज्यादा असर बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है।जिला अस्पताल की आ.`पीडी में रोजाना डेढ़ हजार से ज्यादा मरीज आ रहे हैं। इनमें 150 से 200 बच्चे भी शामिल हैं। बच्चे बुखार, खांसी, उल्टी, दस्त और त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं। प्राइवेट अस्पतालों में भी इन बीमारियों से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ी है।बच्चों को बारिश में भीगने से बचाएं.. जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि गर्मी और बारिश के कारण उमस बढ़ी है। इससे बच्चे बीमार हो रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों को कुछ जरूरी सलाह दी हैं। बच्चों को बारिश में नहीं भीगने देना चाहिए। उनके खान–पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बासी खाना नहीं खिलाना चाहिए। अगर बच्चा बीमार हो जाए तो तुरंत योग्य चिकित्सक को दिखाना चाहिए।

हाथरस में अवैध निर्माण पर कार्रवाई नक्शे के विपरीत बन रहे भवन को जिला पंचायत ने किया सील

हाथरस में जिला पंचायत प्रशासन ने आज एक निर्माणाधीन भवन को सील कर दिया। यह कार्रवाई स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण करने के कारण की गई। गांव प्रताप के निकट यह भवन पिंकी देवी पत्नी कौशल किशोर निवासी चौक बौहरान हाथरस और प्रेम वार्ष्णेय द्वारा बनाया जा रहा था।जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी संतोष कुमार त्रिपाठी को इस अवैध निर्माण की शिकायत मिली थी। प्रशासन ने भवन स्वामियों को दो बार नोटिस जारी किया। इसके बावजूद भी नोटिस पर ध्यान नहीं दिया गया और भवन का निर्माण जारी रहा। इस बिल्डिंग में एक मसाला फैक्ट्री संचालित किए जाने की योजना थी।नोटिस के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया। शाम को संतोष कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में जिला पंचायत की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तत्काल भवन को सील कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल मच गई।

आगरा–अलीगढ़ एक्सप्रेस वे में चढ़ेगी 280 वृक्षों की बलि

नए राजमार्गों के निर्माण से जिले की वन संपदा लगातार घट रही है। मथुरा–बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में जिले में 19,472 पेड़–पौधों की पहले ही बलि चढ़ चुकी है। अब आगरा–अलीगढ़ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लिए अभी तक 280 बड़े पेड़ों को कटान के लिए चिह्नित कर लिया गया है। यह संख्या और बढ़ सकती है जिले की सीमाओं के भीतर से आगरा–अलीगढ़, दिल्ली–कानपुर, मथुरा–बरेली राजमार्ग के अलावा यमुना एक्सप्रेस वे का भी कुछ हिस्सा गुजर रहा है। इन सड़कों के निर्माण से लोगों को आवागमन में तो आसानी हो गई है, लेकिन बड़े पैमाने पर जिले की हरियाली इनकी भेंट चढ़ गई है। वर्तमान में निर्माणाधीन मथुरा–बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण से भी पर्यावरण के दृष्टिकोण से जिले में बड़ा नुकसान हुआ है।जिले में इसके निर्माण के लिए कुल 8581 पेड़ और 10891 पौधों का कटान हुआ है। वर्तमान में इस राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास इस समय हरियाली दूर–दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। अब आगरा–अलीगढ़ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए भी पेड़ों का कटान किया जाना है। इसके लिए अभी तक जिले में 280 बड़े पेड़ों को चिह्नित कर लिया गया है। आने वाले समय में अभी और पेड़ों के कटान को स्वीकृति दी जानी हैं।13.86 लाख नए पौधे रोपे जाएंगे मथुरा–बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में बलिदान हुए करीब 19,472 पेड़–पौधों की भरपाई 13.86 लाख पौधे रोपकर की जाएगी। इसके लिए करीब 180 हेक्टेयर भूमि का चिह्नांकन किया जा रहा है। इसी तरह आगरा–अलीगढ़ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लिए कटने वाले 280 पेड़ों की भरपाई 6.32 हेक्टेयर भूमि में 12,640 पौधों का रोपण कर किए जाने की योजना है। माना जा रहा है कि इन पौधों का रोपण सड़क किनारे व अन्य भूमि पर किया जाएगा।. जनपद में वर्ष वार पौधरोपण की स्थिति–वर्ष 2017 में 3.5 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2018 में 5.2 लाख पौधों का हुआ रोपण। –वर्ष 2019 में 19 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2020 में 17.30 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2021 में 25.75 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2022 में 26.65 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2023 में 20.14 लाख पौधों का हुआ रोपण।–वर्ष 2024 में 24.70 लाख पौधों का हुआ रोपण।

42.68 लाख का बजट मंजूर, फिर भी गंदगी से अटे नाले, जलभराव की समस्या से जूझ रहे शहरवासी

हाथरस नगर पालिका हर साल नालों की सफाई पर लाखों रुपये का बजट खर्च करती है। इसके बावजूद जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिलती। वर्तमान में भी शहर के अधिकांश नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। अवरोध के कारण इन नालों से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है।नाला सफाई के लिए बेशक नगर पा.लिका ने करीब 42.68 लाख रुपये का बजट तय किया है, फिर भी हाथरस शहर के नालों की समुचित सफाई नहीं हो पाई है। इस कारण शहरवासी बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।शहर में जलनिकासी के लिए 28 नाले–नलियां हैं। नगर पालिका हर साल नालों की सफाई पर लाखों रुपये का बजट खर्च करती है। इसके बावजूद जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिलती। वर्तमान में भी शहर के अधिकांश नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। अवरोध के कारण इन नालों से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रो.हित सिंह का कहना है कि नाला सफाई का कार्य चल रहा है। जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा।19 जून की रात हुई बारिश से शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव हो गया है। नगर पालिका ने नालों की सफाई नहीं कराई है। नाले अटे पड़े हैंनालों की सफाई अभी तक नहीं हुई है। इस कारण बारिश में इनसे जुड़े इलाक.ों में जलभराव की समस्या खड़ी हो रही है।आगरा रोड का नाला वर्तमान में गंदगी से अटा पड़ा है। इस नाले से स्टेट बैंक कॉलोनी, आवास–विकास कॉलोनी, कंचन नगर, भट्ठा वाली गली आदि इलाकों की जल निकासी होती है। वर्तमान में यह सभी इलाके जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। बुधवार को जलभराव से आक्रोशित स्टेट बैंक कॉलोनी की महिलाओं ने आगरा रोड पर जाम भी लगाया था।मोहनगंज का नाला गंदगी से अटा पड़ा है। इस नाले से मोहनगंज, मधुगढ़ी, मुरसान गेट आदि इलाकों की जलनिकासी होती है। नाला अटा होने के कारण इन सभी इलाकों में भी जलभराव हो रहा है।बस स्टैंड के निकट बना नाला भी गंदगी से अटा पड़ा है। इस नाले से नाई का नगला, नवीपुर और लाला का नगला आदि इलाकों की जल निकासी होती है, लेकिन अवरुद्ध होने के कारण बारिश से इन इलाकों में भी हालात खराब हो गए।

रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष के तहत 105 प्रकरणों को दी जाएगी आर्थिक सहायता

अलीगढ़ (जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष के अंतर्गत हिंसा एवं अत्याचार की शिकार पीड़ित महिलाओं को सहायता राशि स्वीकृत किए जाने के संबंध में कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिला प्रशासन ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए श्शरानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोषश्ह एक प्रभावी और संवेदनशील माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है। बैठक का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी अजीत कुमार ने किया, उन्होंने कुल 182 प्रकरणों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इनमें से 80 प्रकरणों को मेडिकल रिपोर्ट के अभाव के कारण अस्वीकृत कर दिया गया। शेष 102 मामलों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए प्रस्तुत दस्तावेजों, धाराओं, मेडिकल रिपोर्ट व पुलिस रिपोर्ट का गहन परीक्षण किया गया।जिलाधिकारी श्री रंजन ने कहा कि श्श्हर पीड़िता को त्वरित न्याय व सम्मानपूर्वक सहायता देना प्रशासन की प्राथमिकता है।श्श उन्होंने समिति को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग पूर्ण संवेदनशीलता के साथ समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। विशेष रूप से तीन ऐसिड अटैक पीड़िताओं के मामलों पर विचार किया गया, जिनमें से सभी मामलों को सहायता के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। इन मामलों में पीड़िताओं की स्थिति, आख्याओं की गंभीरता और राहत की तात्कालिक आवश्यकता को प्राथमिकता दी गई। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि स्वीकृत मामलों में जल्द से जल्द धनराशि संबंधित लाभार्थियों के खातों में अंतरण सुनिश्चित किया जाएगा बैठक में एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती ममता कुरील, महिला चिकित्सक डॉ. रजनी गुप्ता एवं डॉ. समन जुबैरी सहित अन्य समिति सदस्यगण उपस्थित रहे।

सीएम युवा उद्यमी अभियान को गति देने के लिए कमिश्नरी में कार्यशाला आयोजित

अलीगढ़ रू आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में सीएम युवा उद्यमी अभियान को गति प्रदान करने के लिए एलडीएम अशोक कुमार सौनी, बैंकर्स एवं विभिन्न योजनाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।मण्डलायुक्त ने कार्यशाला में उपस्थित छात्रछात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप में बहुत ऊर्जा है, स्वरोजगार स्थापना कर किसी के यहां नौकरी करने वाले न बनकर नौकरी देने वाले बनें। कोई भी उद्यम आरम्भ करने में दो बातों की आवश्यकता होती है उसके बारे में तकनीकी जानकारी और दूसरी पूंजी। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आपको तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है और सीएम युवा योजना में आपकी पूंजी की समस्या का भी समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी क्षेत्रों में नौकरी के अवसर सीमित हैं, सरकार की योजनाओं के साथ आगे बढ़ें और अपने आप को और देश को विकास की ओर लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा योजना के बारे में दी जा रही जानकारी को अच्छे से आत्मसात करें ताकि आपको आवेदन करने, अपने उद्यम को संचालन करने एवं ऋण अदायगी जैसे पहलुओं की पूरी जानकारी हो सके। उन्होंने बैंकर्स को निर्देशित किया कि यदि किसी अभ्यर्थी ने आवेदन में कोई कमी है तो संबंधित से उसका समाधान कराते हुए उसे लाभान्वित करने पर प्राथमिकता दी जाए। बिना किसी ठोस कारण के किसी युवा का आवेदन निरस्त न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।कार्यशाला का संचालन करते हुए संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्यशाला में बैंकर्स के साथ ही कौशल विकास मिशन, आईटीआई, ग्राम्य स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (त्ेम्ज्) से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवकयुवतियां प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश का रहने वाला 21 से 40 वर्ष तक का कोई भी कक्षा 08 उत्तीर्ण युवा स्वयं अथवा सीएससी के माध्यम से आवेदन कर सकता है। योजना में 05 लाख तक का ऋण ब्याजमुक्त ऋण प्रदान किया जाता है और 04 वर्ष तक इकाई के सफल संचालन के उपरांत ऋण में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है।सीएम युवा योजना की समाधान समिति के टैक्निकल एक्सपर्ट मो. हित गुप्ता नेछात्रछात्राओं एवं बैंकर्स को योजना के बारे में बारीकी से जानकारी देते हुए बताया कि योजना में सरकार द्वारा युवा उद्यमियों को सबसे बड़ी राहत यह प्रदान की गई है कि आपको इकाई स्थापना के 06 माह बाद ऋण की किश्त देनी होती है और 04 साल तक इकाई संचालन के उपरांत ऋण में 10 प्रतिशत छूट भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त अन्य किसी योजना में ऋण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी इसमें अपात्र माने जाएंगे। सामान्य वर्ग के युवाओं को प्रोजेक्ट लागत का 15 प्रतिशत, ओबीसी को 12.5 प्रतिशत एवं एससीएसटी को 10 प्रतिशत पूंजीगत निवेश स्वयं वहन करना होगा। उन्होंने बताया कि आप आवेदन करते समय पूर्ण सावधानी बरते और परियोजना का विवरण सही से भरें ताकि विभाग एवं बैंकर्स को सही जानकारी प्राप्त हो सके। आप द्वारा किए गये आवेदन पहले जिलास्तर पर आते हैं और सही पाए जाने पर उनको संबंधित बैंक शाखा को अग्रसारित कर दिया जाता है। बैंकर्स द्वारा जांच कराए जाने के उपरांत सही पाए जाने पर उसे मिशन आफिस भेजा जाता है और आपके द्वारा पूंजीगत निवेश किए जाने के उपरांत आप को ऋण वितरण किया जाता है। उन्होंने युवाओं को बताया कि प्रदेश सरकार के उेउम.नच.हवअ.पद पोर्टल पर आवेदन की सुविधा के साथ ही विभिन्न प्रकार के एमएसएमई सेक्टर के उद्यमों की भी जानकारी दी गई है, इसमें युवा अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप उद्यम स्थापना कर सकते हैं। कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के डिमांडिंग बिजनेस मॉडल जैसे फूड प्रोसेसिंग, मैन्यूफैक्चरिंग, रेंटल सर्विस, रूरल बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग एवं सर्विस सेक्टर की अपार संभावनाओं की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में बैंकर्स एवं युवाओं ने सवाल पूछकर अपनी–अपनी शंकाओं का भी समाधान किया।

अलीगढ़ में पत्नी ने कराई पति की हत्या फुफेरे भाई से थे महिला के संबंध, खुद के सामने कनपटी पर गोली मरवाई

मेरे पति ड्राइवर थे। कई–कई महीने घर पर नहीं रहते थे। मुझे उनकी कमी खलती थी। इसलिए मै अपनी बुआ के घर चली जाती थी। मेरी सगी बुआ की शादी मेरे पति के चाचा से ही हुई थी। जब मै बुआ के घर जाती थी तो मेरी नीरज से मुलाकात होती थी। धीरे–धीरे हम करीब आ गए और फिर हमने ऋषि को रास्ते से हटाने की ठान ली।यह कबूलनामा उस महिला का है,जिसने अपने प्रेमी व फुफेरे भाई के साथ मिलकर पति की हत्या करा दी। इसके बाद वह शांत रही और किसी को भी इस बारे में नहीं बताया। उल्टा गांव के ही एक व्यक्ति के ऊपर आरोप लगा दिया कि उसने ही ऋषि की हत्या की होगी। लेकिन पुलिस की जांच में सारी सच्चाई सामने आ गई। पुलिस ने ललिता यादव और उसके प्रेमी नीरश को गिरफ्तार कर लिया है।18 जून को मिला था ड्राइवर का शवगंगीरी थाना क्षेत्र के गांव नगला हिमाचल निवासी 30 वर्षीय ऋषि कुमार यादव 17 जून की शाम को अपने घर से टहलने निकले थे। इसके बाद वह घर नहीं लौटे थे और परिवार के लोग उनकी खोजबीन कर रहे थे। अगले दिन 18 जून को उनका शव गांव के पास ही झाड़ियों में मिला था।ऋषि की कनपटी में गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी।ऋषि की कनपटी में गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए थे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही थी और परिवार के लोगों से पूछताछ की जा रही थी। मृतक के भाई राहुल कुमार पुत्र दंगल सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।पत्नी ने लगाए थे गांव के व्यक्ति पर आरोपमृतक का शव मिलने के बाद पत्नी ललिता ने झूठा ड्रामा करना शुरू कर दिया था और गांव के ही एक व्यक्ति पर आरोप लगाए थे। उसने कहा कि गांव में रहने वाले एक व्यक्ति का मोबाइल कुछ दिन पहले चोरी हो गया था। वह उसके पति पर संदेह कर रहा था।इसी बात को लेकर ऋषि का उस व्यक्ति के साथ विवाद हुआ था और उसने ऋषि को जान से मारने की धमकी दी थी। पत्नी की बात सुनकर पुलिस को उसके ऊपर कुछ संदेह हुआ था। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की थी, लेकिन प्रारंभिक जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला था। जिसके बाद पुलिस का संदेह और गहरा गया।कई महीनों से बन रही थी हत्या की साजिशपुलिस ने जब सख्ती से महिला से पूछताछ की तो वह टूट गई। उसने अपनी बुआ के बेटे नीरश के साथ नाजायज रिश्तों को कबूल किया। उसने बताया कि उसका पति ऋषि ट्रक ड्राइवर था और दिल्ली, मुंबई और कलकत्ता जाता आता रहता था। अकेले होने के कारण वह अपनी बुआ के घर चली जाती थी।जहां उसकी बुआ का बेटा नीरश दिन भर उसके साथ रहता था। दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे और फिर अवैध संबंध हो गए। दोनों एक दूसरे के साथ जीना मरना चाहते थे। उन्होंने तीन–चार महीने पहले ही ऋषि की हत्या करने की सोच ली थी। नीरज ने कहा था कि इस बार ऋषि आएगा तो वापस नहीं जाएगा।पत्नी को पीटा तो भड़क उठा था प्रेमीगांव में 7 जून को ऋषि के चाचा सोदान सिंह के बेटे बबलू की शादी थी। बबलू नीरश का बड़ा भाई है। इस शादी में ऋषि भी छुट्टी लेकर आया था और उसकी पत्नी ललिता पहले से ही अपनी बुआ के घर पर थी। सभी गांव में ही थे। इसी बीच ऋषि को अपनी पत्नी के अवैध संबंधों की जानकारी हो गई।घटना के दिन ऋषि ने अपनी पत्नी ललिता को भला बुरा कहा था और उसके साथ मारपीट भी की थी। इसके बाद वह घर से निकलकर चला गया था। तभी नीरश वहां आ गया था और ललिता ने उसे सारी बात बताई थी। जिसके बाद आरोपी ने उसकी हत्या करने की ठान ली थी।पत्नी ने कहा, आज मौका है मार दो जब पत्नी ने कहा, आज मौका है मार दो जब ऋषि ने ललिता के साथ मारपीट की तो वह भड़क उठी। उसने नीरश से कहा कि आज मौका है, इसे मार दो। हम लोग कब से इसका इंतजार कर रहे थे। इसके बाद नीरज ने तमंचा निकाला और ऋषि के पीछे चल पड़ा।आरोपी ने पुलिस को बताया कि कुछ दूर जाकर जब उसने सूनसान देखा तो पीछे से ऋषि की कनपटी पर तमंचा रखकर गोली चला दी। इसके बाद वहां से भाग निकला। उसने वापस लौटकर ललिता को बताया कि ऋषि का काम तमाम कर दिया है।आरोपियों की निशानदेही पर हथिया बरामदएसपी ग्रामीण मयंक जैन और सीओ छर्रा धनंजय ने प्रेसवार्ता करके सारे प्रकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देर रात 1.45 बजे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद आरोपी नीरश की निशांदेही पर उसके मकान से ही हत्या में इस्तेमाल किया गया तमंचा और जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। आरोपियों को अब कोर्ट में पेश करके जेल भेजा जाएगा।मामले का खुलासा करने वाली टीम में एसओ गंगीरी सुमित गोस्वामी, एसआई धीरेंद्र सिंह, रोहित कुमार, देवेश कुमार, हेड कांस्टेबल नवीन कुमार, राजवीर सिंह, महिला कांस्टेबल बरखा तोमर और क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग देहात की टीम भी शामिल रही

दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए समाज कल्याण विभाग ने जारी की समयसारिणी

अलीगढ़ समाज कल्याण विभाग द्वारा बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 202526 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए विस्तृत कार्ययोजना एवं समयसारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना राज्य के सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा में
आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जाती है।समाज कल्याण विभाग द्वारा सभी विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, सम्बद्ध विभागों एवं विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाहियां पूर्ण करें ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय से लाभ मिल सके।मुख्य गतिविधियाँ और तिथियाँरूमास्टर डाटा लॉकिंगरू 07 जुलाई से 25 नवम्बर 2025 तकऑनलाइन आवेदन प्रक्रियारू10 जुलाई से 20 दिसम्बर 2025 तकऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमारू 24 दिसम्बर 2025 तकसंस्थान स्तर पर आवेदन सत्यापनरू 11 जुलाई 2025 से 10 जनवरी 2026 तक जनपद स्तर पर सत्यापन एवं डाटा लॉकिंगरू23 जनवरी से 08 मार्च 2026 तकपीएफएमएस पोर्टल पर भुगतान आदेश एवं प्रेषण12 मार्च से 16 मार्च 2026 तकसमाज कल्याण विभाग ने स्पष्ट किया है कि समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जाएगी। सभी संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यार्थियों के प्रमोशन, उपस्थिति, अंकपत्र, नामांकन संख्या एवं आधार सत्यापन जैसी सूचनाएँ सही–सही पोर्टल पर दर्ज हों। विभाग ने यह भी निर्देशित किया है कि Promoted with Marks स्थिति में भी आवेदन किया जा सकेगा, जबकि परीक्षा परिणाम घोषित न होने की दशा में त्मेनसज छवज क्मबसंतमक विकल्प का चयन किया जा सकता है।कठोर निगरानी और पारदर्शिता पर जोरशासनादेश में समाज कल्याण अधिकारियों और शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वह समयबद्ध ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की यह समयबद्ध योजना राज्य सरकार की डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करती है, जिसका उद्देश्य राज्य के लाखों विद्यार्थियों को उनकी उच्च शिक्षा में बाधा रहित सहयोग प्रदान करना है।

अलीगढ़ नगर निगम द्वारा वाटर एटीएम संचालन व्यवस्था सुदृढ़

अलीगढ़ 20 जून 2025 (सू0वि0)रू नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया है कि नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित 8 वाटर एटीएम में से 7 पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी वाटर एटीएम को समय रहते क्रियाशील कर दिया गया था। वर्तमान में केवल अतरौली बस अड्डा स्थित वाटर एटीएम का सबमर्सिबल पंप तकनीकी कारणों से बंद है, जिसे आगामी एक सप्ताह में पुनः संचालित कर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि नगर में पाँच वाटर एटीएम ऊपरकोट, अचलताल, शमशाद मार्केट, कचहरी एवं कम्पनी बाग के विभिन्न नलकूपों के विद्युत कनेक्शन से संचालित किए जा रहे हैं। जबकि नौरंगाबाद छावनी, अतरौली बस अड्डा एवं तांगा स्टैंड स्थित तीन एटीएम के लिए विद्युत संयोजन के लिए कुल रुपया 2,81,011.00 की धनराशि के बिल प्राप्त हुए हैं, जिनका भुगतान नियमानुसार सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को गर्मी के मौसम में निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। भविष्य में किसी भी एटीएम के खराब होने की स्थिति में त्वरित मरम्मत की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। नगर निगम द्वारा उठाए गए इन कदमों से आमजन को राहत प्राप्त हो रही है और जनस्वास्थ्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के सफल संचालन के लिए जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

अलीगढ़ मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के प्रभावी संचालन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत सिविल सेवा, एसएससी, नीट एवं जे.ईई परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को दी जा रही निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।कोर्स कॉर्डिनेटर उमेश सिंह ने बताया कि गत वर्ष 284 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। जिसमें कई अभ्यार्थी सफल भी हुए। इस वर्ष कुल 262 अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया है, जिनमें सिविल सेवा के लिए 110, एसएससी के लिए 94, नीट के लिए 46 एवं जेईई के लिए 12 अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। साथ ही 33 शिक्षकों ने अध्यापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। छात्रों का चयन अभ्युदय पोर्टल एवं ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदनों की पात्रता के आधार पर साक्षात्कार द्वारा किया गया है।अभ्युदय कोचिंग का संचालन एसएमबी इंटर कॉलेज, रामघाट रोड पर किया जा रहा है, जहाँ डेस्क, व्हाइट बोर्ड, राइटिंग चेयर, बिजली, पंखा एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति मैन्युअल एवं बायोमेट्रिक दोनों तरीकों से दर्ज की जा रही है। अध्यापन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय सचिवालय, लखनऊ द्वारा लेक्चर प्लान एवं टेस्ट पेपर समय–समय पर उपलब्ध कराए जाते हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि यदि आईएएस, पीसीएस या अन्य वरिष्ठ अधिकारी अभ्युदय योजना के अंतर्गत कक्षाएं लेते हैं, तो उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के साथ उनकी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में अंकन किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक कोल के अनुरोध पर सुरेंद्र नगर में जल्द खुलेगी पुलिस चौकी–नगर निगम सुरेन्द नगर पानी की टंकी के पास देगा पुलिस चौकी के लिए भूमि

सुरेंद्रनगर पानी की टंकी निकट भूमि पर बनेगी पुलिस चौकी– नगर आयुक्त ने पुलिस चौकी के लिए भूमि देने के लिए संपति विभाग को दिए निर्देशपिछले दिनो कोल विधायक अनिल पराशर ने सुरेंद्रनगर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए जाने के लिए पुलिस चौकी निर्माण के लिए नगर आयुक्त से भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। विधायक कोल के अनुरोध पर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने शुक्रवार को सुरेंद्रनगर पानी की टंकी के निकट नगर निगम के बने पुराने कूड़ा डलाव घर का निरीक्षण किया। मौके पर नगर आयुक्त ने इस बंद पड़े डलाव घर की भूमि को पुलिस चौकी के उपयोग हेतु उपयुक्त पाया। मौके पर ही नगर आयुक्त ने नगर निगम के संपत्ति प्रभारी को पुलिस चौकी के निर्माण से पूर्व उक्त भूमि के संपत्ति का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए.नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया माननीय विधायक जी के अनुरोध पर नगर निगम द्वारा सुरेंद्र नगर पानी की टंकी के निकट नगर निगम के पुराने बंद पड़े कूड़ा डलाव घर की भूमि को पुलिस चौकी हेतु निरीक्षण में उपयुक्त पाया गया है उक्त भूमि पर जल्द पुलिस चौकी का निर्माण पुलिस विभाग द्वारा कराया जाएगा।

वार्ड 47 व 72 में परंपरागत जलभराव स्थल का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण किया

भारी बारिश में मथुरा बाईपास पर होने वाले जलभराव के निदान के लिए व मथुरा बाईपास रोड पर होने वाले परंपरागत जलभराव के कारण जनहानि और आमजन की परेशानी को देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अधीनस्थों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय नगर आयुक्त ने मथुरा बाईपास पर जल भराव की स्थिति को देखकर तत्काल अतिरिक्त पंप सेट लगवाए जाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बारिश की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त पंप सेट लगाकर वहां पर जल निकासी की जाए साथ ही साथ उन्होंने निर्माण विभाग को यहां पर नाले का बहाव चेक करने के निर्देश दिये और सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह को यहां

पर नगर निगम संपत्ति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।मथुरा बाईपास पर होने वाले परंपरागत जल भराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए नगर आयुक्त ने प्राथमिकता पर इस क्षेत्र में नाला निर्माण के लिए निर्माण विभाग को निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिएनिरीक्षण में नगर आयुक्त के साथ पार्षद हाफिज अब्बासी सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह अवर अभियंता नरेंद्र सिंह साथ थे।

जोन कार्यालय के निर्माण की सुस्त रफ्तार पर नगर आयुक्त की गिरी गाज–अचानक निर्माण कार्य को देखने पहुंचे नगर आयुक्त को सुस्त मिली निर्माण की रफ्तार

सुरेंद्रनगर पानी की टंकी निकट जोन कार्यालय के निर्माण कार्य पर नगर आयुक्त ने ठेकेदार फर्म पर लगाया 30 लाख का जुर्माना–सितंबर 2025 तक निर्माण कार्य पूरा न होना पड़ेगा ठेकेदार को भारी–नगर आयुक्त ने फर्म को ब्लैकलिस्टेड व अनुबंध टर्मिनेट करने की दी चेतावनीशहर के विकास कार्यों में लापरवाही और प्रोजेक्ट को पूरा करने में लेट लतीफी किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी फर्म को पहले नसीहत दी गई है अगर निर्धारित अवधि में प्रोजेक्ट कंप्लीट नहीं होता है तो फर्म के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगीरू–नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणामाननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की जीरो टॉलरेंस की नीति का शत प्रतिशत अनुश्रवण सुनिश्चित करने की दिशा में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने शहर के विकास कार्यों में लापरवाही, प्रोजेक्ट को पूरा करने में लेट लतीफी बरतने वाले निर्माण ठेकेदारों पर जमकर कार्रवाई करने का मन बना लिया है। सुरेंद्रनगर पानी की टंकी के पास नगर निगम के निर्माणधीन जोनल कार्यालय का निर्माण कार्य ठेकेदार जी0पी0बिल्डर्स अलीगढ़ द्वारा किया जा रहा है शुक्रवार शाम को नगर आयुक्त ने जोनल कार्यालय के निर्माण कार्य का अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। 'प्रोजेक्ट की लेट लतीफ और धीमी रफ्तार को देखकर नगर आयुक्त ने चीफ इंजीनियर सुरेश चंद से नाराजगी जताते हुए फर्म पर 30 लाख का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त ने मौके पर ठेकेदार को सितंबर 2025 तक प्रत्येक दिशा में प्रोजेक्ट को कंप्लीट करने की निर्देश दिए और कहां यदि सितंबर तक प्रोजेक्ट कंप्लीट नहीं होता है तो ब्लैकलिस्टेड और अनुबंध टर्मिनेट करने की कार्यवाही की जायेगीनगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने साफ कहा शहर के विकास कार्यों में लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी शहर के विकास कार्यों के लिए नगर निगम किसी भी प्रोजेक्ट की लेट लतीफ को बर्दाश्त नहीं करेगा आज निरीक्षण में फर्म पर 30 लाख का आर्थिक जुर्माना लगाया गया है विभाग स्टाफ कक्ष सेनेटरी इंस्पेक्टर कक्ष प्रकाश विभाग एईध्जेई के कक्ष निर्माण विभाग एई ध्जेई कक्ष प्रतीक्षालय कक्ष निर्माणध्प्रकाशध्स्वास्थ्य विभाग लिपिकीय कक्ष लिफ्ट व सीढ़ी पुरुष व महिला शौचालय का निर्माण होगा। द्वितीय तल पर पुरुषध्महिला स्टाफ कक्ष संपत्ति विभाग कक्ष जलकल विभाग ममध्ंमध्रम कक्ष मीटिंग हॉल टैक्स इंस्पेक्टर कक्ष लिफ्ट व सीढ़ी पुरुष व महिला शौचालय का निर्माण होगा।

हर स्किन के लिए नहीं होती सोशल मीडिया की ब्यूटी टिप्स, सही सलाह लें वरना हो सकता है नुकसान

आज की डिजिटल दौर में सोशल मीडिया स्किन केयर ट्रेंड्स का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है. इंस्टाग्राम रील्स में ग्लास स्किन, मिरेकल क्रीम जैसी कई रील्स लगातार वायरल होती रहती है. वहीं इन रील्स पर लोग आंख मूंदकर भरोसा करके इन्हें अपने डेली स्किन केयर रूटीन में शामिल करने लगते हैं. लेकिन एक्सपर्ट का कहना है कि हर टाइप की स्किन की जरूरत अलग अलग होती है. जैसे कि जो स्किन प्रोडक्ट किसी एक व्यक्ति पर कारगर हो वह दूसरे के लिए नुकसानदायक हो सकता है. ऐसे में सोशल मीडिया पर रील या ट्रेंड के माध्यम से प्रोडक्ट देखकर उनका उपयोग करना ला. ेगों के लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है.हर ट्रेंड के पीछे भागना हो सकता है नुकसानदायकसोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले वायरल हैक्स में नींबू, टूथपेस्ट और बेकिंग सोडा जैसी चीजों का इस्तेमाल आम है. लेकिन स्किन एक्सपर्ट्स के अनुसार यह घरेलू उपाय आपकी स्किन के नेचुरल पीएच लेवल के बैलेंस को बिगाड़ते हैं. जिससे आपकी स्किन पर जलन रैशेज या ब्रेकआउट हो सकते हैं और इसकी वजह से आपकी स्किन को नुकसान पहुंच सकता है.पहले जान लें अपना स्किन टाइपअगर आप किसी भी स्किन रूटीन को अपनाने जा रहे हैं, तो इससे पहले आप अपनी स्किन के टाइप को पहचान लें. चाहे आपकी स्किन ऑयली हो, ड्राई हो, सेंसिटिव हो या एक्ने–प्रोन बिना स्किन टाइप के जाने कोई भी प्रोडक्ट अगर आप इस्तेमाल करेंगे तो यह आपके लिए काफी गंभीर हो सकता है. इससे आपकी स्किन और ज्यादा खराब हो सकती है.क्रीम और सीरम का करें पैच टेस्टकई बार स्किन एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि अगर आप किसी नए प्रोडक्ट को यूज करने जा रहे हैं तो उस प्रोडक्ट को पूरी स्किन पर लगाने से पहले उसका पेच टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए. इससे आपकी स्किन पर होने वाले एलर्जी और रिएक्शन के खतरे को कम किया जा सकता है.स्किन के सिग. नल्स को न करें नजरअंदाजअगर कोई भी प्रोडक्ट यूज करने से आपकी स्किन में जलन खिंचाव रेडनेस या पिंपल बार–बार होते हैं. तो यह एक सिग्नल होता है कि आपके स्किन केयर रूटीन में कुछ गड़बड़ है. ऐसा होने पर आपको अपने लुक से ज्यादा अपनी फीलिंग्स पर ध्यान देना चाहिए और इन स्किन प्रोडक्ट का इस्तेमाल कम कर देना चाहिए.फोन स्क्रीन और मेकअप को भी न करें नजरअंदाज अक्सर हमें पता नहीं होता है लेकिन हमारे फोन पर काफी बैक्टीरिया जमा होते हैं जो चेहरे पर ट्रांसफर हो सकते हैं. जिससे आपके चेहरे पर ब्रेकआउट्स हो सकते हैं. इसके अलावा मेकअप हटाए बिना सोना भी स्किन के लिए आपकी सबसे हानिक. ारक आदतों में से एक होता है. इसलिए अगर आप कभी भी मेकअप लगाते हैं तो सोने से पहले मेकअप को जरूर उतार कर सोएं.हर एक सोशल मीडिया हैक आपकी स्किन के लिए नहीं बना होता है. रेटिनॉल, विटामिन ब या ।भ। जैसे एक्टिव्स को बिना जानकारी के यूज करना नुकसानदायक हो सकता है. इसलिए बेहतर है कि अगर आपको कोई गंभीर स्किन प्रॉब्लम्स है तो आप डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह ले सकते हैं.ट्रेंडिंग से पहले समझदारी जरूरी हर ट्रेंड को फॉलो करने से पहले आपको यह समझना चाहिए कि वह आपकी स्किन के लिए सुरक्षित हैं या नहीं. हर स्किन की जरूरत अलग–अलग होती हैं इसलिए सही जानकारी और जागरूकता से ही आप अपनी स्किन को हेल्दी और चमकदार बना सकते हैं न कि सोशल मीडिया के ट्रेंड फॉलो करने से.

बरसात में स्किन होने लगती है ऑयली,मिनटों में खत्म करने के लिए अपनाएं ये उपाय

बरसात का मौसम आते ही कुछ लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है, तो कुछ के चेहरे पर चमक, लेकिन ये वो ग्लो नहीं है, बल्कि चेहरे का तेल है. बारिश के मौसम में मौसम जितना नम होता है, उतनी ही चिपचिपाहट चेहरे पर महसूस होती है. स्किन ऑयली हो जाती है, मेकअप बहने लगता है और चेहरे पर पिंपल्स तक आने लगते हैं. आप लाख फेस वॉश करें, लेकिन कुछ देर बाद वही ऑयली परत चेहरे पर लौट आती है. सवाल ये है कि क्या बरसात में ऑयली स्किन से छुटकारा पाया जा सकता है और हां तो कैसे...दिन में दो बार फेस वॉश जरूरी हैबरसात में धूल तो कम होती है, लेकिन नमी ज्यादा होती है. यही नमी तेल को बनाएं रखती है. इसलिए दिन में कम से कम दो बार फेस वॉश से चेहरा धोना चाहिए. टोनर को ना करें नजरअंदाजकई लोग टोनर को स्किप कर देते हैं, लेकिन ये ऑयली स्किन के लिए एक जरूरी है. पोर्स को टाइट करता हैऑयल प्रोडक्शन को बैलेंस करता हैस्किन को फ्रेश और क्लीन फील कराता हैगुलाब जल एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता हैस्किन को हाइड्रेट रखेंऑयली स्किन का मतलब ये नहीं कि आपको मॉइश्चराइजर नहीं चाहिए. दरअसल, अगर स्किन हाइड्रेट नहीं होगी तो वो और ज्यादा ऑयल बनाएगी. ऑयल–फ्री मॉइश्चराइजरजेल बेस्ड मॉइश्चराइजरनीम और चंदन से बना फेस पैक लगाएंनीम की एंटी–बैक्टीरियल और चंदन की ठंडक देने वाली खूबियां मिलकर बरसात में स्किन की गहराई से सफाई करती हैं. 1 चम्मच नीम पाउडर1 चम्मच चंदन पाउडरथोड़ा गुलाब जलये सब मिलाकर लगाएं और 10 मिनट बाद धो लें. डाइट में भी करें थोड़ा बदलावतेलीय चीजें और जंक फूड बरसात में स्किन की हालत और बिगाड़ते हैं. हरी सब्जियांनींबू पानीनारियल पानीहल्का और सादा खाना बरसात का मतलब सिर्फ गीले कपड़े और छतरी नहीं, बल्कि स्किन के लिए एक अलग देखभाल की जरूरत भी है. अगर आपकी स्किन बार–बार ऑयली हो रही है तो ये उसके असंतुलन का संकेत है. ऊपर दिए गए उपाय न सिर्फ असरदार हैं, बल्कि मिनटों में राहत देते हैं. तो इस बार बारिश में चेहरे की चिपा. चपाहट नहीं, सिर्फ फ्रेशनेस लेकर चलिए.

चेहरे पर कॉफी और शहद लगाने से क्या होता है? जानकर हैरान रह जाएंगे आप

सुबह की शुरुआत एक कप कॉफी से होती है ताकि दिनभर तरोताजा रह सकें. वही कॉफी, जब चेहरे पर लगाई जाए, तो आपकी स्किन भी उसी तरह जग उठती है. कॉफी और शहद, ये दोनों किचन की आम चीजें हैं, लेकिन स्किन के लिए किसी ब्यूटी किट से कम नहीं है. आपने कभी सोचा है कि नेचुरल ग्लो पाने के लिए आपको महंगे प्रोडक्ट्स नहीं, बस थोड़ा सा कॉफी और शहद चाहिए? आज हम जानेंगे कि चेहरे पर कॉफी और शहद लगाने से क्या होता है, कैसे ये स्किन की कई समस्याओं को दूर कर सकती है. बता दें, बाजार में कई तरह से प्रोडेक्टस मिलते हैं, जिससे चेहरे पर जल्द से जल्द ग्लो आ जाता है. लेकिन इनका मुकाबला घरेलू उपाय से नहीं किया जा सकता है. क्योंकि हर किसी की स्किन अलग होती है और कभी–कभी बाहर मिलने वाली क्रीम से साइड इफेक्ट हो जाता है. कॉफी कॉफी में मौजूद कैफीन स्किन को टाइट करता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता हैडेड स्किन हटेगी चेहरे की सूजन कम होगी थकी और मुरझाई स्किन में जान आएगीकॉफी एक नेचुरल एक्सफोलिएटर है जो चेहरे से गंदगी और बंद पोर्स को साफ करता है शहद शहद एक नेचुरल एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है. ये स्किन को अंदर से मॉइश्चराइज करता है और इंफेक्शन से बचाता हैपिंपल्स में राहत स्किन सॉफ्ट और स्मूद बनती हैचेहरे पर इंस्टेंट ग्लो आता है कॉफी और शहद जब आप कॉफी और शहद को मिलाकर फेस पैक बनाते हैं तो ये एक पावरफुल ने. चुरल स्क्रब बन जाता हैस्किन को गहराई से साफ करता हैनैचुरल ब्राइटनिंग करता हैब्लैकहेड्स और डलनेस को हटाता है. स्किन टोन को इवन करता हैकैसे करें इस्तेमाल?1 चम्मच कॉफी पाउडर1 चम्मच शहददोनों को अच्छे से मिलाएंसाफ चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं15 मिनट बाद फिर हाथों से स्क्रब करेंइसके बाद गुनगुने पानी से धो लें और मॉइश्चराइजर लगाएंइसे सप्ताह में 2 बार इस्तेमाल करेंकॉफी और शहद कोई जादू नहीं, लेकिन इनके असर जादू जैसे जरूर हैं. जब आप नेचुरल चीजों से स्किन का ख्याल रखते हैं, तो सिर्फ बाहरी नहीं, अंदरूनी चमक भी नजर आती है. अगली बार जब लेने जाएं, थोड़ा बचा लें, शायद आपकी स्किन को भी एक कप ताजगी की जरूरत हो.

योग पूरी दुनिया में हो रहा प्रसिद्ध, फिर दुखी क्यों है योग इंस्ट्रक्टर?

संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में 100 पर्यटन आधारित प्रसिद्ध स्थलों और 50 से ज्यादा सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा। योग दिवस के अवसर पर विशाखापत्तनम में आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी शामिल हा. ेंगे।संस्कृति मंत्रालय 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में 100 प्रसिद्ध स्थलों और 50 अन्य सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा, जिनमें यूनेस्को के कुछ विरासत स्थल भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि ये सत्र आंध्र प्रदेश के विखापत्तनम में आयोजित किए जा रहे मुख्य समारोहों के साथ पूरक कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किए जाएंगे।विशाखापत्तनम में योग दिवस पर शामिल होंगे पीएम मोदीबता दें कि विशाखापत्तनम में आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी शामिल हा. ेंगे। बयान में कहा गया कि यूनेस्को के जिन विश्व धरोहर स्थलों में योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, उनमें चराईदेव मो. इदम (असम), रानी की वाव और धोलावीरा (गुजरात), हम्पी और पट्टाडकल (कर्नाटक), खजुराहो स्मारक समूह और सांची स्तूप (मध्य प्रदेश), कोणार्क का सूर्य मंदिर (ओडिशा), एलीफेंटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर (तमिलनाडु) शामिल हैं।संस्कृति मंत्रालय ने क्या कहा?संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि वह 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश भर में 100 पर्यटन–आधारित प्रसिद्ध स्थलों और 50 से अधिक सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत राजस्थान के जोधपुर में ऐतिहासिक मेहरानगढ़ किले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे।अन्य स्थलों पर भी होगा आयोजित मंत्रालय ने कहा कि कुछ अन्य प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे गोलकुंडा किला और सालारजंग संग्रहालय (हैदराबाद), हुमायूं का मकबरा, पुराना किला और सफदरजंग मकबरा (दिल्ली), जलियांवाला बाग (पंजाब), चित्तौड़गढ़ और कुंभलगढ़ किले (राजस्थान), लेह पैलेस (लद्दाख), परी महल (श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर), बेकल किला (केरल), और हजारद्वारी तथा कूच बिहार पैलेस (पश्चिम बंगाल) जैसे अन्य स्थलों पर भी सत्र आयोजित किए जाएंगे।एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग'पर्यटन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह 21 जून को सुबह 6 से 8 बजे तक कुतुब मीनार परिसर के प्रतिष्ठित सन डायल लॉन में 'सामूहिक योग सत्र' का आयोजन करेगा, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल भी है। मंत्रालय ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की वैश्विक थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो मानव कल्याण और पारिस्थितिक संतुलन के बीच गहन संबंध को रेखांकित करती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर, 2014 को 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।

तन–मन दोनों के लिए वरदान है 8 आसन और 12 चरण वाला सूर्य नमस्कार, ऐसे करें अभ्यास

शरीर को चुस्त–दुरुस्त और तंदुरुस्त रखना है तो योग से बेहतर क्या हो सकता है. यह न केवल तन बल्कि मन के लिए भी लाभदायक है. ऐसा ही एक बहु प्रचलित आसन है सूर्य नमस्कार. एक सरल योग जो मानसिक तनाव और शारीरिक कष्ट से दूर रहने में मदद करता है.सूर्य नमस्कार, योग का एक प्राचीन अभ्यास, 8 आसनों का संयोजन है, जिसे 12 चरणों में किया जाता है. यह मन, शरीर और आत्मा के समन्वय को बढ़ावा देता है. आयुष मंत्रालय ने सूर्य नमस्कार के लाभ और इसे करने की सही विधि भी शेयर की है ताकि लोग इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकें. यह अभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है.सूर्य नमस्कार के एक नहीं हैं अनेक लाभआयुष मंत्रालय के मुताबिक, सूर्य नमस्कार के एक नहीं अनेक लाभ हैं. यह शरीर की ताकत को बढ़ाता है, मांसपेशियों को मजबूत करता है, लचीलापन बढ़ाता है और रक्त संचार को सुधारता है. तनाव और चिंता को कम करने में मदद करने के साथ ही यह मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर करता है. नियमित अभ्यास से पाचन तंत्र मजबूत होता है, बेहतर नींद आती है, और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. यह वजन नियंत्रण और हृदय स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी है. सूर्य नमस्कार शरीर के सभी प्रमुख अंगों को सक्रिय करता है, जिससे समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है.सूर्य नमस्कार को सुबह खाली पेट, सूर्योदय के समय करना सबसे उत्तम माना जाता है. इसे 8 चरणों में किया जाता है. इसमें प्रणामासन है, जिसमें दोनों हाथ जोड़कर शांत मन से सूर्य को नमस्कार करना चाहिए. हस्तउत्तानासन में सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाना चाहिए और कमर को पीछे की ओर झुकाना चाहिए. हस्तपादासन में सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुककर हाथों से जमीन को छुना चाहिए.कैसे करते हैं सूर्य नमस्कार?इसके बाद अश्व संचालनासन करना चाहिए, जिसमें दायां पैर पीछे की ओर और बाएं वाले घुटने को मोड़ना चाहिए. दंडासन में दोनों पैर पीछे ले जाकर, शरीर को प्लैंक की स्थिति में रखें. अष्टांग नमस्कार के दौरान घुटने, छाती और ठुड्डी जमीन पर टिकाना चाहिए. भुजंगासन के दौरान सांस लेते हुए छाती को ऊपर की ओर करते हुए कोबरा मुद्रा बनानी चाहिए. सूर्य नमस्कार के दौरान अधोमुख श्वानासन यानी सांस छोड़ते हुए कूल्हों को ऊपर उठाते हुए उल्टा 'वी' शेप बनाना चाहिएप्रत्येक चरण में सांस लेने–छोड़ने का ध्यान रखना चाहिए. शुरुआत में 3 बार से ज्यादा इसे नहीं करना चाहिए. यह अभ्यास सभी आयु वर्ग के लिए लाभकारी है, लेकिन चोट या स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को चिकित्सीय सलाह लेने के बाद ही करना चाहिए.

आखिर क्यों महिलाएं ले रहीं तलाक? पार्टनर की छोटी–छोटी गलतियों को भी नहीं कर रहीं नजरअंदाज

शादी कोई बच्चों का खेल नहीं, बल्कि सात जन्मों का बंधन है...घर में बड़े–बुजुर्गों से ये बात अक्सर सुनी होगी. शादी को जीवन का अहम पड़ाव माना जाता था. लेकिन अब ये पड़ाव कमजोर होता जा रहा है. तलाक के केस सामने आ रहे हैं. आखिर क्या हैं इसके पीछे वजह और कब ऐसी स्थिति बनती है, आइए जानते हैं.पहले शादी को सात जन्मों का बंधन समझा जाता था. अगर ग्रैंड पैरेंट्स की पीढ़ी पर गौर करें तो एक बार शादी हो गई तो जीवनभर का रिश्ता पक्का हो गया. इस रिश्ते को तोड़ना तो छोड़िए, ऐसे ख्याल भी उनके मन में कभी नहीं आए होंगे. इसके पीछे कई वजह भी सकती हैं, जैसे उस दौरान महिलाओं के नाम से कोई बैंक अकाउंट नहीं होते थे, न ही किसी तरह कोई मदद होती थी. ऐसे में शादी सर्वाइवल बन जाती थी. लेकिन अब महिलाओं के पास च्वॉइस है. सिर्फ दिखावे के लिए उन पर शादी के बंधन निभाने का बोझ नहीं है. वह अपना फैसला ले सकती हैं. जिस घर को उन्होंने प्यार के साथ बनाया, उससे बाहर निकल सकती हैं.एक जेनरेशन पहले महिला के लिए इतना ही काफी होता था कि उसका पति धोखा नहीं देता, मारपीट नहीं करता आदि. लेकिन अब समय बदला है. अब महिलाएं मामूली चीजों पर सवाल खड़े करती हैं. वह भावनात्मक जुड़ाव, साझा विकास, आपसी सहयोग की मांग कर रही हैं. अगर यह नहीं मिलता है, तो वे दूर चली जाती हैं.अब महिलाएं तलाक को शर्म से नहीं, बल्कि स्पष्टता के रूप में देखती है. वे अब तलाक को अपमान के रूप में नहीं, बल्कि एक निर्णय के रूप में देखती हैं. वह अब इसको लेकर चिंतित नहीं रहतीं कि पड़ोसी क्या कहेंगे और समाज क्या कहेगा. वह अपना फैसला लेती हैं.कई महिलाएं अपने बच्चों की खातिर अनहैप्पी मैरिज लाइफ में बंधी रहती हैं. लेकिन बच्चों को परफेक्ट फैमिली नहीं, बल्कि इमोशनली रूप से हेल्दी फैमिली की जरूरत होती है. वह पैरेंट्स को देखकर सीखते हैं. जब महिला दिखावे के बजाय शांति का चुनाव करती है, तो वह घर नहीं तोड़ रही होती है. महिला अपने बच्चों को दिखा रही होती है कि आत्म–सम्मान कैसा होता है.जब पार्टनर महिला की फीलिंग नहीं समझता है, तो वह अकेलापन महसूस करने लगती हैं. उनकी ओर ध्यान नहीं दिया जाता. कई महिलाएं इसलिए तलाक नहीं लेतीं कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है, बल्कि इसलिए ये कि उन्हें लगता है कि कोई उनकी ओर देखने वाला ही नहीं है.अक्सर इसको लेकर चर्चा होती है कि अब विवाह बंधन कमजोर होते जा रहे हैं. इसमें बदलाव दिख रहा है. लेकिन सच्चाई शायद ये है कि अब महिलाएं बदल गईं हैं. यह कोई त्रासदी नहीं है, बल्कि यह एक जीत है. वे प्रेम से दूर नहीं जा रही हैं, वे इसकी ओर बढ़ रही हैं. उन्हें एक ऐसे रिश्ते की चाह रहती है जिसमें गहरा प्रेम शामिल हो.

उम्र का फासला या दिलों का रिश्ता? क्या पति–पत्नी के बीच आयु का अंतर जरूरी है

रिश्तों की बुनियाद सिर्फ प्यार और विश्वास पर नहीं, बल्कि समझदारी, सम्मान और सामंजस्य पर भी टिकी होती है. लेकिन जब बात शादी की आती है, तो समाज में एक सवाल अक्सर उठता है कि, पति और पत्नी के बीच उम्र का अंतर कितना होना चाहिए? क्या सही रिश्ता उम्र देखकर तय होता है, या फिर दो दिलों के जुड़ाव से? कई लोग मानते हैं कि पति को पत्नी से बड़ा होना चाहिए, तो कुछ इस सोच को पुरानी और गैरजरूरी मानते हैं. आज के दौर में जब रिश्तों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब यह जानना जरूरी है कि क्या वाकई उम्र का अंतर रिश्ते को मजबूत बनाता है या इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता.भारतीय समाज में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि, पति–पत्नी से कुछ साल बड़ा होना चाहिए. इसका तर्क यह दिया जाता है कि, पुरुष अधिक परिपक्व होता है और परिवार की जिम्मेदारी बेहतर ढंग से निभा सकता है. लेकिन क्या परिपक्वता सिर्फ उम्र से आती है? आज की शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं इस सवाल का जवाब खुद देती हैं.रिश्ते में उम्र से ज्यादा अहम होता है मानसिक स्तर पर जुड़ाव होता है. कई कपल्स ऐसे होते हैं जिनकी उम्र में 6–7 साल या उससे ज्यादा का अंतर होता है, फिर भी वे एक–दूसरे को पूरी तरह समझते हैं. वहीं कुछ ऐसे भी होते हैं जिनमें उम्र का अंतर ना के बराबर होता है, लेकिन सोच नहीं मिलती. यानी, एक जैसी सोच, आपसी सम्मान और समझदारी ही रिश्ते की असली ताकत होती है. अब समय बदल रहा है. आज कई ऐसी जोड़ियां देखने को मिलती हैं, जहां पत्नी उम्र में बड़ी होती है और पति छोटा. जैसे प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस जैसे कई सेलिब्रिटी कपल्स ने इस सोच को तोड़ा है कि, अगर प्यार सच्चा हो, तो उम्र सिर्फ एक नंबर रह जाती है. उम्र का अंतर कभी–कभी चुनौतियां भी ला सकता है, जैसे सोच का अंतर, जीवन के लक्ष्यों में भिन्नता या ऊर्जा के स्तर में अंतर. लेकिन यदि दोनों साथी एक–दूसरे को समझते हैं, तो इन चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है.